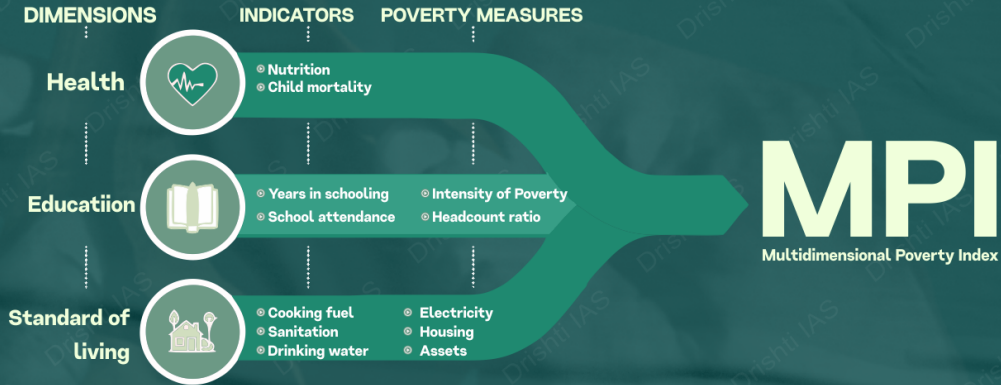


वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI) 2023

वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI) 2023

सामान्य विवरण

- प्रकाशन :
 - वर्ष 2010
- कार्य:
 - गरीब लोगों द्वारा किये जाने वाले विभिन्न अभावों (शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन स्तर में) के बारे में बताता है।
- स्कोर:
 - MPI स्कोर 0 से 1 के बीच होता है (उच्च मूल्य = उच्च गरीबी)
- इसे जारी किया जाता है:
 - संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) तथा ऑक्सफोर्ड गरीबी और मानव विकास पहल (OPHI) द्वारा
- बहुआयामी गरीबी:
 - वह व्यक्ति जो 10 संकेतकों में से $>1/3$ ($>33%$) से वंचित है
- चरम बहुआयामी गरीबी:
 - जहाँ व्यक्ति $>50%$ संकेतकों से वंचित है



MPI 2023

- वैश्विक परिदृश्य:
 - 1.1 अरब (110 देशों में रहने वाले 6.1 अरब लोगों में से) लोग चरम बहुआयामी गरीबी से ग्रस्त हैं
 - उप-सहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया में हर 6 में से 5 व्यक्ति गरीब हैं
 - MPI-गरीब लोगों में से आधे (556 मिलियन) 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चे हैं
- भारतीय परिदृश्य:
 - गरीबी का स्तर वर्ष 2005-06 में 55.1% से वर्ष 2019-21 में 16.4% हो गया है
 - तीनों आयामों में उल्लेखनीय प्रगति हुई
 - अभी भी >230 मिलियन लोग गरीब हैं और 18.7% आबादी संवेदनशील है

संवेदनशील - वे लोग जो गरीब नहीं हैं लेकिन सभी भारत संकेतकों के 20-33.3% से वंचित हैं

- नीति आयोग ने भारत का राष्ट्रीय एमपीआई (दूसरा संस्करण) 2023 भी जारी किया
- इसे नवीनतम NFHS-5 (2019-21) के आधार पर तैयार किया गया है
- इसके अनुसार:
 - उत्तर प्रदेश - गरीब व्यक्तियों की संख्या में सबसे तीव्र गिरावट
 - बिहार - निरपेक्ष रूप से MPI में सबसे तीव्र कमी